

हरियाणा सरकार

वास्तुकला विभाग

अधिसूचना

दिनांक 20 अप्रैल, 1990

सं०सा०का०नि० 45/संवि/अनु० 309/90.---भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा हरियाणा वास्तुकला विभाग (ग्रुप-घ) सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती और सेवा की शर्तों को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :---

भाग I--सामान्य

1. ये नियम हरियाणा वास्तुकला विभाग (ग्रुप-घ) सेवा नियम, 1990 कहे जा सकते हैं। संक्षिप्त नाम ।
2. इन नियमों में जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :--- परिभाषाएं ।
 - (क) "मुख्य वास्तुक" से अभिप्राय है, वास्तुकला विभाग, हरियाणा का मुख्य वास्तुक ;
 - (ख) "सीधी भर्ती" से अभिप्राय है, कोई भी नियुक्ति, जो सेवा में से पदोन्नति या भारत सरकार या किसी राज्य सरकार की सेवा में पहले से लगे किसी पदधारी के स्थानान्तरण से अन्यथा की गई हो ;
 - (ग) "सरकार" से अभिप्राय है, प्रशासनिक विभाग में हरियाणा सरकार ;
 - (घ) "संस्था" से अभिप्राय है :---
 - (i) हरियाणा राज्य में लागू विधि द्वारा स्थापित कोई संस्था ; अथवा
 - (ii) इन नियमों के प्रयोजन के लिये सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त कोई अन्य संस्था ;
 - (ङ) "मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय" से अभिप्राय है :---
 - (i) भारत में विधि द्वारा नियमित कोई विश्वविद्यालय ; या
 - (ii) 15 अगस्त, 1947, से पूर्व हुई परीक्षा के परिणामस्वरूप प्राप्त उपाधि, उपाधि-पत्र (डिप्लोमा) या प्रमाण-पत्र की दशा में पंजाब, सिंध या ढाका विश्वविद्यालय ; या

- (iii) कोई अन्य विश्वविद्यालय जो इन नियमों के प्रयोजन के लिये सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय घोषित किया गया हो ;
- (च) "वरिष्ठ वास्तुक" से अभिप्राय है, वास्तुकला विभाग, हरियाणा का वरिष्ठ वास्तुक ;
- (छ) "सेवा" से अभिप्राय है, हरियाणा वास्तुकला विभाग में (ग्रुप-घ) सेवा ।

भाग II—सेवा में भर्ती

पदों की संख्या
तथा स्वरूप ।

3. सेवा में इन नियमों के परिशिष्ट "क" में बताये गये पद होंगे :

परन्तु इन नियमों की कोई भी बात ऐसे पदों की संख्या में वृद्धि या कमी करने या विभिन्न पदनामों और वेतनमानों वाले नये पद स्थायी अथवा अस्थायी रूप से बनाने के सरकार के अंतर्निहित अधिकार पर प्रभाव नहीं डालेगी ।

सेवा में भर्ती किये
गये उम्मीदवारों
की राष्ट्रिकता,
अधिवास तथा
चरित्र ।

4. (i) कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक कि वह निम्नलिखित न हो :—

(क) भारत का नागरिक ; या

(ख) नेपाल की प्रजा ; या

(ग) भूटान की प्रजा ; या

(घ) तिब्बत का शरणार्थी, जो प्रथम जनवरी, 1962 से पहले भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से आया हो ; या

(ङ) भारतीय मूल का व्यक्ति, जो पाकिस्तान, बर्मा, श्री लंका तथा कीनिया, यूगांडा, तंजानिया के संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका) और जंजीबार जांबिया, मलावी, जायरे और इथोपिया के किसी पूर्वी अफ्रीकी देश से प्रवासित हो कर भारत में स्थायी रूप से बसने के आशय से आया हो :

परन्तु प्रवर्ग (ख), (ग) तथा (ङ) से सम्बन्धित व्यक्ति ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पक्ष में सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो ।

(2) कोई भी व्यक्ति, जिसकी दशा में पात्रता का प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, बोर्ड या किसी अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा संचालित परीक्षा या साक्षात्कार के लिये प्रविष्ट किया जा सकता है किन्तु नियुक्ति का प्रस्ताव उसे सरकार द्वारा आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी किये जाने के बाद ही दिया जा सकता है ।

(3) कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त नहीं किया जायेगा, जब तक कि वह अतिम उपरिष्ठित के विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय या

संस्था को, यदि कोई हो, प्रधान शर्णांक अधिकारी से चरित्र प्रमाण-पत्र और दो ऐसे अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों से, जो उसके सम्बन्धी न हों, किन्तु उसके व्यक्तिगत जीवन में उससे भली-भांति परिचित हों और जो उसके विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय या संस्था से सम्बन्धित न हों, उसी प्रकार के प्रमाण-पत्र प्रस्तुत न करें।

5. कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त नहीं किया जायेगा जो निर्वाचन समिति को आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि से ठीक पहले अगस्त के प्रथम दिन को या उससे पहले सतरह वर्ष की आयु से कम या तीस वर्ष की आयु से अधिक का हो। आयु।

6. सेवा में पदों पर नियुक्तियां, मुख्य वास्तुक द्वारा की जाएंगी।

नियुक्ति प्राधिकारी।
अर्हताएं

7. कोई भी व्यक्ति सेवा में किसी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक कि वह सीधी भर्ती की दशा में इन नियमों के परिशिष्ट "ख" के खाना 3 में तथा सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्ति की दशा में उपर्युक्त परिशिष्ट के खाना 4 में विनिर्दिष्ट अर्हताएं तथा अनुभव न रखता हो। अर्हताएं।

परन्तु सीधी भर्ती द्वारा नियुक्ति की दशा में अनुभव सम्बन्धी अर्हताओं में बौद्ध या अन्य भर्ती प्राधिकरण के विवेक पर पचास प्रतिशत सीमा तक ढील दी जा सकेगी यदि अनुसूचित जातियों, पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों तथा शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों में अपेक्षित अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों की पर्याप्त संख्या उनके लिये आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये उपलब्ध न हो। ऐसा करने के लिये लिखित रूप में कारण दिये जायेंगे।

8. कोई भी व्यक्ति :--

निरर्हताएं।

(क) जिसने जीवित पति/पत्नी वाल व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है ; या

(ख) जिसने पति/पत्नी के जीवित होते हुये किसी अन्य व्यक्ति से विवाह कर लिया है या विवाह की संविदा कर ली है, सेवा में किसी भी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि सरकार की संतुष्टि हो जाये कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू स्वीय विधि के अधीन, ऐसा विवाह अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के आघार भी हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के लागू होने से छूट द सकती है।

9. (i) सेवा में भर्ती निम्नलिखित ढंग से की जायेगी :--

भर्ती का ढंग ।।

(क) दफ्तरी की दशा में :--

(i) सेवादारों में से पदोन्नति द्वारा ; या

(ii) किसी भी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से लगे किसी कर्मचारी के स्थानांतरण/प्रतिनियुक्ति द्वारा ;

(ख) जमादार की दशा में :—

(i) सेवादारों में से पदोन्नति द्वारा ;

(ii) किसी भी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से लगे किसी कर्मचारी के स्थानांतरण/प्रतिनियुक्ति द्वारा ;

(ग) सेवादार की दशा में :—

(i) सीधी भर्ती द्वारा ; या

(ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से लगे किसी कर्मचारी के स्थानांतरण/प्रतिनियुक्ति द्वारा ;

(घ) फौजदारी की दशा में :—

(i) सीधी भर्ती द्वारा ; या

(ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में किसी पहले से लगे किसी कर्मचारी के स्थानांतरण/प्रतिनियुक्ति द्वारा ;

(ङ) चौकीदार की दशा में :—

(i) सीधी भर्ती द्वारा ; या

(ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से लगे किसी कर्मचारी के स्थानांतरण/प्रतिनियुक्ति द्वारा ;

(च) झण्डूकश की दशा में :—

(i) सीधी भर्ती द्वारा ; या

(ii) किसी राज्य सरकार या भारत सरकार की सेवा में पहले से लगे किसी कर्मचारी के स्थानांतरण/प्रतिनियुक्ति द्वारा ।

परिबीक्षा ।

10. (1) सेवा में किसी भी पद पर नियुक्त व्यक्ति, यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो तो दो वर्ष की अवधि के लिये, और यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो तो एक वर्ष की अवधि के लिये परिबीक्षा पर रहेगा :

(क) परन्तु ऐसी नियुक्ति के बाद किसी अनुरूप या उच्चतर पद पर प्रतिनियुक्ति पर व्यतीत की गई अवधि परिबीक्षा की अवधि में गिनी जायेगी ;

- (ख) स्थानांतरण द्वारा किसी नियुक्ति की दशा में सेवा में किसी पद पर नियुक्ति से पहले किसी समकक्ष अथवा उच्चतर पद पर किये गये कार्य की कोई अवधि नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर, इस नियम के अधीन नियत परिबीक्षा अवधि की ओर गिनने दी जा सकती है ; और
- (ग) स्थानापन्न नियुक्ति की कोई अवधि, परिबीक्षा पर व्यतीत की गई अवधि के रूप में गिनी जायेगी किन्तु कोई भी व्यक्ति जिसने ऐसे स्थानापन्न रूप में कार्य किया है परिबीक्षा की निर्धारित विहित अवधि पूरी होने पर यदि वह किसी स्थायी पद पर नियुक्त न किया गया हो, पुष्ट किये जाने का हकदार नहीं होगा :
- (2) यदि नियुक्ति प्राधिकारी की राय में परिबीक्षा की अवधि के दौरान किसी व्यक्ति का कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो वह,—
- (क) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो तो उसे उसकी सेवाओं से अलग कर सकता है ; और
- (ख) यदि ऐसा व्यक्ति सीधी भर्ती से अन्यथा नियुक्त किया गया हो तो :-
- (i) उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है ; या
- (ii) उसके सम्बन्ध में किसी ऐसी अन्य रीति में कार्यवाई कर सकता है जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबन्धन तथा शर्त अनुज्ञात करे ;
- (3) किसी व्यक्ति की परिबीक्षा अवधि पूरी होने पर, नियुक्ति प्राधिकारी :-
- (क) यदि उसकी राय में उसका कार्य तथा आचरण संतोषजनक रहा हो तो :-
- (i) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह स्थायी रिक्ति पर नियुक्त किया गया हो उसकी नियुक्ति की तिथि से पुष्ट कर सकता है ; या
- (ii) ऐसे व्यक्ति को, यदि वह किसी अस्थायी रिक्ति पर नियुक्त किया जाता है, स्थायी रिक्ति होने की तिथि से पुष्ट कर सकता है ; या
- (iii) यदि कोई स्थायी रिक्ति न हो, तो घोषित कर सकता है कि उसने अपने परिबीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से पूरी कर ली है ; या
- (ख) यदि उसका कार्य या आचरण उसकी राय में संतोषजनक न रहा हो तो :-
- (i) यदि वह सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त किया गया हो तो उसे सेवा से अलग कर सकता है, यदि अन्यथा नियुक्त किया गया हो, उसे उसके पूर्व पद पर प्रतिवर्तित कर सकता है या उसके सम्बन्ध में ऐसी अन्य रीति में कार्यवाई कर सकता है जो उसकी पूर्व नियुक्ति के निबन्धन तथा शर्त अनुज्ञात करें ; या

(ii) उसकी परिवीक्षा-अवधि बढ़ा सकता है और उसके बाद ऐसे आदेश पारित कर सकता है जो वह परिवीक्षा की प्रथम अवधि की समाप्ति पर कर सकता था :

परन्तु परिवीक्षा की कुल अवधि, जिसमें बढ़ाई गई अवधि भी, यदि कोई हो, शामिल हैं, तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी ।

ज्येष्ठता ।

11. सेवा के सदस्यों की परस्पर ज्येष्ठता किसी भी पद पर उनके लगातार सेवाकाल के अनुसार निश्चित की जायेगी :

परन्तु जहां सेवा में विभिन्न संवर्ग हैं, वहां प्रत्येक संवर्ग के लिये ज्येष्ठता पृथक् रूप से निश्चित की जायेगी :

परन्तु यह और कि सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में ज्येष्ठता नियत करते समय भर्ती प्राधिकरण द्वारा निश्चित योग्यता क्रम को प्रतिवर्तित नहीं किया जाएगा :

परन्तु यह और कि एक ही तिथि को नियुक्त दो या दो से अधिक सदस्यों की दशा में उनकी ज्येष्ठता निम्नलिखित रूप से निश्चित की जायेगी :—

(क) सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त-सदस्य पदोन्नति या स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा ;

(ख) पदोन्नति द्वारा नियुक्त सदस्य, स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्य से ज्येष्ठ होगा ;

(ग) पदोन्नति द्वारा अथवा स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में ज्येष्ठता ऐसी नियुक्तियों में ऐसे सदस्यों की ज्येष्ठता के अनुसार निश्चित की जायेगी, जिनसे वे पदोन्नत या स्थानान्तरित किये गये थे ; और

(घ) विभिन्न संवर्गों से स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त सदस्यों की दशा में उनकी ज्येष्ठता वेतन के अनुसार निश्चित की जायेगी । अधिमान ऐसे सदस्य को दिया जायेगा जो अपनी पहली की नियुक्ति में उच्चतर पद पर वेतन ले रहा था और यदि मिलने वाले वेतन की दर भी समान हो तो उनकी नियुक्तियों में उनके सेवाकाल के अनुसार, और यदि सेवाकाल भी समान हो तो आयु में बड़ा सदस्य छोटे सदस्य से ज्येष्ठ होगा ।

सेवा करने का दायित्व ।

12. (1) सेवा का कोई भी सदस्य, नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा हरियाणा राज्य में अथवा उसके बाहर किसी भी स्थान पर सेवा करने के लिये आदेश दिये जाने पर ऐसा करने के लिये दायी होगी ।

(2) सेवा के किसी सदस्य को सेवा के लिये निम्नलिखित के अधीन भी प्रति-नियुक्त किया जा सकता है :—

- (i) कोई कम्पनी, संगम या व्यष्टि-निकाय, चाहे वह निगमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण अथवा अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण राज्य सरकार के पास है या हरियाणा राज्य के भीतर, नगर निगम या स्थानीय प्राधिकरण अथवा विश्वविद्यालय ;
- (ii) केन्द्रीय सरकार या ऐसी कम्पनी, संगम या व्यष्टि-निकाय चाहे वह निगमित हो या नहीं, जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण केन्द्रीय सरकार के पास हो; या
- (iii) कोई अन्य राज्य सरकार, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, स्वायत्त निकाय जिसका नियंत्रण सरकार के पास न हो अथवा गैर-सरकारी निकाय :

परन्तु सेवा के किसी भी सदस्य को उसकी सहमति के बिना खण्ड (ii) तथा खण्ड (iii) में निर्दिष्ट केन्द्रीय या किसी अन्य राज्य सरकार या किसी संगठन या निकाय की सेवा के अधीन प्रतिनियुक्ति नहीं किया जायेगा ।

13. वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा सभी अन्य मामलों के सम्बन्ध में, जिनका इन नियमों में स्पष्ट रूप से उपबंध नहीं किया गया है, सेवा के सदस्य ऐसे नियमों तथा विनियमों द्वारा नियंत्रित होंगे जो सक्षम अधिकारी द्वारा भारत के संविधान के अधीन अथवा राज्य विधान मण्डल द्वारा बनाई गई तथा उस समय लागू विधि के अधीन अपनाये गये या बनाये गये हों अथवा इसके बाद अपनाए या बनाये जायें।

वेतन, छुट्टी, पेंशन तथा अन्य मामले ।

14. (1) अनुशासन, शक्तियां तथा अपीलों से सम्बन्धित मामलों में सेवा के सदस्य समय-समय पर हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 1987 द्वारा नियंत्रित होंगे :

अनुशासन, शक्तियां तथा अपीलों ।

परन्तु ऐसी शास्तियों का स्वरूप जो लगाई जा सकती हैं, ऐसी शास्तियां लगाने के लिये सशक्त प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अधीन बनाई गई किसी विधि या नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुये वह होंगे जो इन नियमों के परिशिष्ट "ग" में निर्दिष्ट हैं ।

(2) हरियाणा सिविल सेवा (दण्ड तथा अपील) नियम, 1987 के नियम 10 के उप-नियम (1) के खण्ड (ग) या खण्ड (घ) के अधीन आदेश करने के लिये सक्षम प्राधिकारी तथा अपील प्राधिकारी भी वही होगा जो इन नियमों के परिशिष्ट "घ" में निर्दिष्ट है ।

टीका लगावना ।

15. सेवा का प्रत्येक सदस्य जब सरकार किसी विशेष या साधारण आदेश द्वारा ऐसा निर्देश करे, टीका लगावाएगा तथा पुनः टीका लगावाएगा ।

राजनिष्ठा की शपथ ।

16. सेवा के प्रत्येक सदस्य को जब तक उसने पहले ही भारत के प्रति तथा विधि द्वारा यथा स्थापित भारत के संविधान के प्रति राजनिष्ठा की शपथ न ले ली हो, ऐसा करने की अपेक्षा की जायेगी ।

दौल देने की शक्ति ।

17. जहां सरकार की राय में इन नियमों के किसी उपबंध में दौल देना आवश्यक या उचित हो, वहां वह कारण लिख कर आदेश द्वारा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में ऐसा कर सकती है ।

विशेष उपबंध ।

18. इन नियमों में किसी बात के होते हुये भी नियुक्ति प्राधिकारी, यदि वह नियुक्ति आदेश में विशेष निबंधन तथा शर्तें लगाना उचित समझे तो वह ऐसा कर सकता है ।

आरक्षण ।

19. इन नियमों में दी गई कोई बात राज्य सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियां, पिछड़े वर्गों, भूतपूर्व सैनिकों, अन्य विकलांग व्यक्तियों अथवा व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रवर्ग को दिये जाने वाले अपेक्षित आरक्षणों तथा अन्य रियायतों को प्रभावित नहीं करेगी :

परन्तु इस प्रकार किये गये आरक्षणों की कुल प्रतिशतता किसी भी समय पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होगी ।

निरसन तथा व्यावृत्ति ।

20. सेवा पर लागू कोई नियम तथा इन नियमों में से किसी के अनुरूप कोई नियम, जो इन नियमों के आरम्भ से तुरन्त पहले लागू हो, इसके द्वारा निरसित किया जाता है :

परन्तु इस प्रकार से निरसित नियमों के अधीन किया गया कोई आदेश या की गई कोई कार्यवाई इन नियमों के अनुरूप उपबन्धों के अधीन किया गया अथवा की गई समझी जायेगी ।

परिशिष्ट "क"

(देखिए नियम 3)

क्रम संख्या	पद नाम	पदों की संख्या		जोड़	वेतनमान
		स्थायी	अस्थायी		
1	2	3	4	5	6
1	दफ्तरी	2	..	2	800—15—1010—द०रो०— 20—1150 रुपए
2	जमादार	1	..	1	800—15—1010—द०रो०— 20—1150 रुपए
2	सेवादार	24	..	24	750—12—870—द० रो०— 14—940 रुपए
4	फैरोखलासी	2	..	2	750—12—870—द० रो०— 14—940 रुपए
5	चीकीदार	1	..	1	750—12—870—द० रो०— 14—940 रुपए
6	झाडूकण	2	..	2	750—12—870—द० रो०— 14—940 रुपए

क्रम संख्या	एक नाम	सीधी भर्ती के लिये शैक्षणिक अर्हताएं तथा अनुभव यदि कोई हो	सीधी भर्ती से अन्वया के लिये शैक्षणिक अर्हताएं तथा अनुभव, यदि कोई हो
1	2	3	4
1	दफ्तरी		
2	जभादार		1. सेवादार के रूप में 5 वर्ष के अनुभव सहित हिन्दी/अंग्रेजी का ज्ञान
3	सेवादार	(1) पांचवी पास (2) कार्यालय में काम करने का ज्ञान रखने वालों को अधिमान दिया जाएगा	(1) पांचवी पास (2) कार्यालय में काम करने का ज्ञान रखने वालों को अधिमान दिया जाएगा
4	फैरो खलासी	(1) पांचवी पास (2) ज़ाईंग के प्रिंटस को तय करने तथा काटने का ज्ञान	(1) पांचवी पास (2) ज़ाईंग प्रिंटस को तय करने तथा काटने का ज्ञान
5	चौकीदार	(1) गार्डमरी पास (2) तपूर्व सैनिकों को अधिमान दिया जायेगा	(1) गार्डमरी पास (2) भूतपूर्व सैनिकों को अधिमान दिया जायेगा
6	झाड़ूकःश	(1) हिन्दी/अंग्रेजी का ज्ञान (2) कार्यालय भवन की सफाई का अनुभव	(1) हिन्दी/अंग्रेजी का ज्ञान (2) कार्यालय भवन की सफाई का अनुभव

परिशिष्ट "ग"

[नियम 14(1)]

क्रमांक	पद का नाम	नियुक्ति प्राधिकारी	शास्ति का स्वरूप	शास्ति लगाने के लिये सशक्त प्राधिकारी	अपील प्राधिकारी	द्वितीय तथा अंतिम अपील प्राधिकारी, यदि कोई हो
1	2	3	4	5	6	7
1	दफ्तरी	मुख्य वास्तुक	(1) छोटी शास्तियां (i) वैयक्तिक फाईल (आचरण पंजी) पर प्रति रखते हुए चैलावनी ; (ii) परिनिदा ; (iii) पदोन्नति रोकना (iv) उपेक्षा या आदेशों के उल्लंघन द्वारा केंद्रीय सरकार या राज्य सरकार को या एसी कम्पनी तथा संगम तथा व्यक्ति निकाय चाहे वह	मुख्य वास्तुक	सरकार	सरकार
2	जमादार	..				
3	सेवादार	..				
4	फैरोखलासी	..				
5	चौकीदार	..				
6	झाड़कश	..				

7

6

5

4

3

2

1

नियमित हो या नहीं जिसका पूर्ण या अधिकांश स्वामित्व या नियंत्रण सरकार के पास है या संसद या राज्य विधान सभल के अधिनियम द्वारा स्थापित किसी स्थानीय प्राधिकरण या विपवविद्यालय को हुई धन सम्बन्धी पूरी हानि को या उसके भाग की वेतन से वसूली

(v) वेतन वृद्धियां रोकना

(2) बड़ी शास्तियां

(vi) किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिये समयमान में निम्नतर प्रक्रम पर अवनति ऐसे अतिरिक्त निर्देशों सहित कि क्या सरकारी कर्मचारी ऐसी अवनति की अवधि के दौरान वेतन वृद्धियां अर्जित करेगा या नहीं और क्या ऐसी

1	2	3	4	5	6
		<p>अवधि की समाप्ति पर, ऐसी अवनति उनकी भावी वेतन वृद्धियां स्थगित करने का प्रभाव रखेगी या नहीं ;</p>			
		<p>(vii) निम्नतर वेतनमान, ग्रेड, पद या सेवा पर ऐसी अवनति जो सरकारी कर्मचारी के उस समय वेतनमान, ग्रेड, पद या सेवा पर, जिस से वह अवनत किया गया था, पदोन्नति के लिये साधारणतया रोक होगी, ऐसा, जिस ग्रेड अथवा पद अथवा सेवा से सरकारी कर्मचारी अव्रतत किया गया था उस पर बहाली सम्बन्धी और उसकी ज्येष्ठता तथा उस ग्रेड, पद या सेवा पर वेतन के बारे में शर्तों सम्बन्धी अतिरिक्त निदेशों के साथ या उनके बिना होगा ;</p>			

1	2	3	4	5	6
		<p>(viii) अनिवार्य सेवा निवृत्ति ;</p> <p>(ix) सेवा से हटाया जाना जो सरकार के अधीन भावी नियोजन के लिये निरर्हता नहीं होगी ;</p> <p>(x) सेवा से पदच्युति जो सरकार के अधीन भावी नियोजन के लिये सामान्यतः निरर्हता होगी ।</p>			

परिशिष्ट "ब"

[नियम 14(2)]

क्रमांक	पद नाम	आदेश का स्वरूप	आदेश करने के लिये सशक्त प्राधिकारी	अपील प्राधिकारी	द्वितीय तथा अन्तिम अपील प्राधिकारी, यदि कोई हो
1	दफ्तरी	(i) पेंशन को नियंत्रित करने वाले नियमों के अधीन अनुज्ञेय सामान्य/अतिरिक्त पेंशन की राशि में कमी करना या रोकना	मुख्य वास्तुक	सरकार	सरकार
2	जमादार				
3	सेवादार	(ii) सेवा के किसी सदस्य को उसकी अधिवर्षिता के लिये नियत आय के होने से अन्यथा नियुक्ति की समाप्ति			
4	फैरोखलासी				
5	चौकीदार				
6	झाड़ूकश				

बिलोवन सिंह,

वित्तायुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
वास्तुकला विभाग ।

[Authorised English Translation]

HARYANA GOVERNMENT
ARCHITECTURE DEPARTMENT

Notification

The 20th April, 1990

No. G. S. R. 46/Const/Art.309/90.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution of India, the Governor of Haryana hereby makes the following rules regulating the recruitment and conditions of service of persons appointed to the Haryana Architecture Department (Group D) Service namely :—

PART I—GENERAL

1. These rules may be called the Haryana Architecture Department (Group D) Service Rules, 1990.

Short
title.

2. In these rules, unless the context otherwise requires,—

Defini-
tions.

(a) "Chief Architect" means the Chief Architect of the Department of Architecture, Haryana ;

(b) "direct recruitment" means an appointment made otherwise than by promotion from within the Service or by transfer of an official already in the service of the Government of India or any State Government.

(c) "Government" means the Haryana Government in the Administrative Department ;

(d) "Institution" means—

(i) any institution established by law in force in the State of Haryana ; or

(ii) any other institution recognised by the Government for the purpose of these rules ;

(e) "recognised university" means —

(i) any university incorporated by law in India ; or

(ii) in the case of a degree, diploma, or certificate obtained as a result of an examination held before the 15th August, 1947, by the Punjab, Sind or Dacca University ;

(iii) any other university which is declared by the Government to be a recognised university for the purpose of these rules ;

(f) "Senior Architect" means the Senior Architect of the Department of Architecture, Haryana ;

- (g) "Service" means the Haryana Architecture Department (Group D) Service.

PART II—RECRUITMENT TO SERVICE

3. The Service shall comprise the posts shown in Appendix 'A' to these rules :

Provided that nothing in these rules shall affect the inherent right of the Government to make additions to, or reductions in, the number of such posts or to create new posts with different designations and scales of pay, either permanently or temporarily.

4. (1) No person shall be appointed to any post in the Service, unless he is :

- (a) a citizen of India ; or
- (b) a subject of Nepal ; or
- (c) a subject of Bhutan; or

- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India;

or

- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, or any of the East African Countries of Kenya, Uganda, The United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia with the intention of permanently settling in India :

Provided that a person belonging to any of the categories (b), (c) or (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government.

(2) A person in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to an examination or interview conducted by the recruiting authority, but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government.

(3) No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment, unless he produces a certificate of character from the principal, academic officer of the university, college, school or institution last attended, if any, and similar certificate from two other responsible persons, not being his relatives who are well acquainted with him in his private life and are unconnected with his university, college, school or institution.

5. No person shall be appointed to any post in the Service by direct recruitment who is less than seventeen years or more than thirty years of age, on or before the 1st day of August next preceding the last date of submission of application to the recruiting authority.

Number and character of posts.

Nationality, domicile and character of candidates appointed to the Service.

Age.

6. Appointment to any post in the Service shall be made by the Chief Architect.

Appointing authority.

7. No person shall be appointed to any post in the Service unless he is in possession of qualifications and experience specified in Column 3 of Appendix B to these rules in the case of direct recruitment and those specified in column 4 of the aforesaid Appendix in the case of persons appointed otherwise than by direct recruitment:

Qualifications.

Provided that in the case of appointment by direct recruitment, the qualifications regarding experience shall be relaxable to the extent of 50% at the discretion of the Board or any other recruiting authority in case sufficient number of candidates belonging to scheduled castes, backward classes, ex-servicemen and physically handicapped candidates, possessing the requisite experience, are not available to fill up the vacancies reserved for them, after recording reasons for so doing in writing.

8. No person:

Disqualifications.

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any post in the Service:

Provided that the Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

9. (1) Recruitment to the Service shall be made—

Method of recruitment

(a) in case of Daftri—

- (i) by promotion from amongst Peons; or
- (ii) by transfer or deputation of an official already in the service of any State Government or the Government of India;

(b) in case of Jamadar—

- (i) by promotion from amongst Peons; or
- (ii) by transfer or deputation of an official already in the service of any State Government or the Government of India;

(c) in case of Peon—

- (i) by direct recruitment; or
- (ii) by transfer or deputation of an official already in the service of any State Government or the Government of India;

(d) in case of Ferro-Khalasi—

- (i) by direct recruitment; or
- (ii) by transfer or deputation of an official already in the service of any State Government or the Government of India;

(e) in case of Chowkidar—

- (i) by direct recruitment; or
- (ii) by transfer or deputation of an official already in the service of any State Government or the Government of India;

(f) in case of Sweeper—

- (i) by direct recruitment; or
- (ii) by transfer or deputation of an official already in the service of any State Government or Government of India.

(2) All promotions unless otherwise provided, shall be made on seniority-cum-fitness basis and seniority alone shall not confer any right to such promotions.

Probati on.

10. (1) Persons appointed to any post in the Service shall remain on probation, for a period of two years, if appointed by direct recruitment and one year, if appointed otherwise:

Provided that—

- (a) any period, after such appointment, spent on deputation on a corresponding or a higher post shall count towards the period of probation;
- (b) any period of work in equivalent or higher rank, prior to appointment to any post in the Service may, in the case of an appointment by transfer, at the discretion of the appointing authority, be allowed to count towards the period of probation fixed under this rule; and
- (c) any period of officiating appointment shall be reckoned as period spent on probation, but no person who has so officiated shall, on the completion of the prescribed period of probation be entitled to be confirmed, unless he is appointed against a permanent vacancy.

(2) If, in the opinion of the appointing authority the work or conduct of a person during the period of probation is not satisfactory, it may—

- (a) if such person is appointed by direct recruitment, dispense with his service; and

- (b) if such person is appointed otherwise than by direct recruitment,—
- (i) revert him to his former post ; or
 - (ii) deal with him in such other manner as the terms and conditions of the previous appointment permit.
- (3) On the completion of the period of probation of a person, the appointing authority may—
- (a) if his work or conduct has, in its opinion, been satisfactory—
- (i) confirm such person from the date of his appointment, if appointed against a permanent vacancy ; or
 - (ii) confirm such person from the date from which a permanent vacancy occurs ; if appointed against a temporary vacancy ; or
 - (iii) declare that he has completed his probation, satisfactorily, if there is no permanent vacancy ; or
- (b) if his work or conduct has, in its opinion, been not satisfactory,—
- (i) dispense with his service, if appointed by direct recruitment, if appointed otherwise revert him to his former post or deal with him in such other manner as the terms and conditions of previous appointment permit; or
 - (ii) extend his period of probation and thereafter pass such order, as it could have passed on the expiry of the first period of probation:

Provided that the total period of probation, including extension, if any, shall not exceed three years.

11. Seniority, *inter se* of the members of the Service shall be determined by the length of continuous service on any post in the Service :

Provided that where there are different cadres in the Service, the seniority shall be determined separately for each cadre :

Provided further that in the case of members appointed by direct recruitment, the order of merit determined by the recruiting authority shall not be disturbed in fixing the seniority :

Provided further that in the case of two or more members appointed on the same date, their seniority shall be determined as follows:—

- (a) A member appointed by direct recruitment shall be senior to a member appointed by promotion or by transfer;
- (b) a member appointed by promotion shall be senior to a member appointed by transfer;

- (c) in the case of members appointed by promotion or by transfer seniority shall be determined according to the seniority of such members in the appointments from which they were promoted or transferred; and
- (d) in the case of members appointed by transfer from different cadres, their seniority shall be determined according to pay, preference being given to a member, who was drawing higher rate of pay in his previous appointment; and if the rates of pay drawn are also the same, then by the length of their service in the appointments and if the length of such service is also the same, the older member shall be senior to the younger member.

Liability
to serve.

12. (1) A member of the service shall be liable to serve at any place, whether within or outside the State of Haryana, on being ordered so to do by the appointing authority.

(2) A member of service may also be deputed to serve under:—

- (i) a company, an association or a body of individuals whether incorporated or not which is wholly or substantially owned or controlled by the State Government, a Municipal Corporation or a Local Authority or university within the State of Haryana;
- (ii) the Central Government or a company, an association or a body of individuals, whether incorporated or not which is wholly or substantially owned or controlled by the Central Government, or;
- (iii) any other State Government, an international organisation, an autonomous body not controlled by Government or a private body;

Provided that no member of the Service shall be deputed to serve the Central or any other State Government or any organisation or body referred to in clause (ii) or clause (iii) except with his consent.

Pay, leave,
pension
and other
matters.

13. In respect of pay, leave, pension and all other matters, not expressly provided for in these rules, the members of the Service shall be governed by such rules and regulations as may have been or may hereafter be adopted or made by the competent authority under the Constitution of India or under any law for the time being in force made by the State Legislature.

Discipline,
penalties
and
appeals.

14. (1) In matters relating to discipline, penalties and appeals members of the Service shall be governed by the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 1987, as amended from time to time :

Provided that the nature of penalties which may be imposed, the authority empowered to impose such penalties and appellate authority shall, subject to the provisions of any law or rules made under article 309 of the Constitution of India, be such as are specified in Appendix C to these rules,

(2) The authority competent to pass an order under clause (c) or clause (d) of sub-rule (1) of rule 9 of the Haryana Civil Services (Punishment and Appeal) Rules, 1987, an appellate authority shall be as specified in Appendix D to these rules.

15. Every member of the Service, shall get himself vaccinated and revaccinated as and when the Government so directs by a special or general order.

Vaccination.

16. Every member of the Service, unless he has already done so, shall be required to take the oath of allegiance to India and to the Constitution of India as by law established.

Oath of allegiance.

17. Where the Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

Power of relaxation.

18. Notwithstanding anything contained in these rules the appointing authority may impose special terms and conditions in the order of appointment if it is deemed expedient to do so.

Special provisions.

19. Nothing contained in these rules, shall effect reservations and other concessions required to be provided for scheduled castes, backward classes, ex-servicemen, physically handicapped persons or any other class or category of persons in accordance with the orders issued by the State Government in this regard, from time to time :

Reservations.

Provided that the total percentage of reservations so made shall not exceed fifty per cent, at any time.

20. The Punjab State (Class IV) Service Rules, 1963 which were in force immediately before the commencement of these rules are hereby repealed :

Repeal and Saving.

Provided that any order made or action taken under the rules so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these rules.

ANNEXURE A

(See rule 3)

Serial No.	Designation of posts	Number of posts		Total	Scale of pay
		Permanent	Temporary		
1	2	3	4	5	6
1	Daffri	2	—	2	Rs. 800—15—1,010—EB—20—1,150
2	Jamadar	1	—	1	Rs. 800—15—1,010—EB—20—1,150
3	Peon	24	—	24	Rs. 750—12—870—EB—14—940
4	Ferro-Khalasi	2	—	2	Rs. 750—12—870—EB—14—940
5	Chowkidar	1	—	1	Rs. 750—12—870—EB—14—940
6	Sweeper	2	—	2	Rs. 750—12—870—EB—14—940

APPENDIX B

(See rule 7)

Serial No.	Designation of Posts	Academic qualifications and experience, if any for direct recruitment	Academic qualifications and experience, if any for appointment other than by direct recruitment
1	2	3	4
1	DAFTRI	..	Knowledge of Hindi/English with five years experience as Peon.
2	JAMADAR	..	Knowledge of Hindi/English with five years experience as Peon.
3	PEON	1 Primary Pass 2 Preference shall be given to those having knowledge of working in an office	1 Primary Pass. 2 Preference shall be given to those having knowledge of working in an office.
4	FERRRO-KHALASI	1 Primary Pass. 2 Knowledge of cutting and folding of prints of drawings	1 Primary Pass. 2 Knowledge of cutting and folding of prints of drawings.

1	2	3	4
5	CHOWKIDAR	1 Primary Pass 2 Preference shall be given to Ex-Serviceman	1 Primary Pass. 2 Preference shall be given to Ex-Serviceman.
6	SWEEPER	1 Knowledge of Hindi/English 2 Experience in sweeping of office building	1 Knowledge of Hindi/English. 2 Experience in sweeping of office building.

APPENDIX 'C'

[See rule 14 (1)]

Serial No.	Designation of posts	Appointing authority	Nature of Penalty	Authority empowered to impose penalty	Appellate authority	Second and final appellate authority, if any
1	Daftri	Chief Architect	Minor Penalties		Government	Government
2	Jamadar		(i) warning with a copy in the personal file (Character roll);			
3	Peon		(ii) censure ;			
4	Ferro-Khalasi		(iii) withholding of promotion ;			
5	Chowkidar		(iv) recovery from pay of the whole or part of any pecuniary loss caused by negligence or breach of orders, to the Central Government or a State Government or to a Company and association or a body of individuals whether incorporated or not, which is wholly or substantially owned or controlled by the Government or to a local authority or University set up by an Act of Parliament or of the Legislature of a State; and			
6	Sweeper					

(v) withholding of increments of pay

(2) Major Penalties

(vi) reduction to a lower stage in the time scale of pay for a specified period, with further directions as to whether or not the Government employee will earn increments of pay during the period of such reduction and whether on the expiry of such period, the reduction will or will not have the effect of postponing the future increments of his pay;

(vii) reduction to a lower scale of pay, grade, post or service which shall ordinarily, be a bar to the promotion of the Government employee to the time scale of pay, grade, post or service from which he was reduced, with or without further directions regarding conditions of restoration to the grade or post or service from which the Government employee was reduced and his seniority and pay on such restoration to that grade, post or service;

(viii) compulsory retirement ;

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

- (ix) removal from service which shall not be a disqualification for future employment under the Government ;
- (x) dismissal from service which shall ordinarily be a disqualification for future employment under the Government.

APPENDIX D

[See Rule 14 (2)]

Serial No.	Designation of posts	Nature of order	Authority empowered to make the order	Appellate authority	Second and final appellate authority
1	2	3	4	5	6
1	Dafti	(i) reducing or withholding the amount of ordinary or additional/pension admissible under the rules governing pension;	Chief Architect	Government	Government
2	Jamadar				
3	Peon	(ii) terminating the appointment otherwise than on his attaining the age fixed for superannuation.	Architect	Government	Government
4	Ferro-Khalasi				
5	Chowkidar				
6	Sweeper				

TIRLOCHAN SINGH,

Financial Commissioner and
Secretary to Government, Haryana,
Architecture Department,
Chandigarh.